बिहार लोक सेवा आयोग, पटना

प्रेस विज्ञप्ति

63वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के अन्तिम परीक्षाफल में पिछड़ा वर्ग (05) कोटि का कट–ऑफ अंक अनारक्षित (01) कोटि के कट–ऑफ अंक से अधिक होने के सम्बन्ध में वस्तुस्थिति

आयोग की संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षाओं के अन्तर्गत पद का आवंटन पूर्णत अभ्यर्थियों द्वारा दी गई अधिमानता के आधार पर की जाती है। पद आवंटन का मुख्य आधार मेधा क्रम होता है जिसे आयोग द्वारा पूरी तरह अनुसरण किया जाता है। 63वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा हेतु भी उक्त प्रक्रिया का अक्षरशः अनुपालन किया गया है।

उल्लेखनीय है कि अनारक्षित (01) कोटि सभी कोटि के अभ्यर्थियों के लिए खुली गुणागुण कोटि है अर्थात् अनारक्षित (01) कोटि में मेधाक्रमानुसार किसी भी कोटि के अभ्यर्थी स्थान पा सकते हैं। 63वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के लिए कुल उपलब्ध 355 पदों में से अनारक्षित (01) कोटि के अन्तर्गत 168 पद (52 महिला सहित) एवं पिछड़ा वर्ग (05) कोटि के अन्तर्गत 27 पद (05 महिला सहित) है।

पिछड़ा वर्ग (05) पुरूष कोटि के अन्तर्गत उपलब्ध सभी पद मेधा क्रमांक – 182 को पद आवंटन के साथ ही समाप्त हो गये। मेधा क्रमांक – 182 के बाद पिछड़ा वर्ग (05) कोटि के पुरूष अभ्यर्थियों सहित सामान्य कोटि के पुरूष अभ्यर्थियों के लिए मात्र श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी के अन्तर्गत अनारक्षित (01) कोटि का पद ही उपलब्ध था। श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी के कुल 123 पदों के अन्तर्गत अनारक्षित (01) कोटि के लिए 42 पद (14 महिला सहित) एवं पिछड़ा वर्ग (05) कोटि के लिए 01 पद उपलब्ध था। पिछड़ा वर्ग (05) कोटि के लिए एकमात्र उपलब्ध पद उक्त कोटि के स्वतंत्रता सेनानी कोटि के अभ्यर्थी को आवंटित हुआ।

इस प्रकार मेधा क्रमांक – 182 के बाद पिछड़ा वर्ग (05) कोटि के पुरूष अभ्यर्थियों सहित सामान्य कोटि के पुरूष अभ्यर्थी मेधाक्रमानुसार श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी के अन्तर्गत अनारक्षित (01) कोटि के विरूद्ध चयनित हुए। पिछड़ा वर्ग (05) कोटि के पुरूष अभ्यर्थियों के अनारक्षित (01) कोटि के विरूद्ध चयनित होने के कारण उन्हें अनारक्षित (01) कोटि का पुरूष माना गया और इस प्रकार मेधा क्रमांक – 227 तक पिछड़ा वर्ग (05) कोटि के पुरूष अभ्यर्थी एवं सामान्य कोटि के पुरूष अभ्यर्थी चयनित हुए। जबकि पिछड़ा वर्ग (05) कोटि के विरूद्ध पिछड़ा वर्ग (05) कोटि के पुरूष अभ्यर्थियों का चयन मेधा क्रमांक – 182 तक ही सीमित रहा।

अतः मेधा क्रमांक – 182 को प्राप्त अंक – 595 पिछड़ा वर्ग (05) कोटि के पुरूष अभ्यर्थियों का कट–ऑफ अंक तथा मेधा क्रमांक – 227 को प्राप्त अंक – 588 अनारक्षित (01) कोटि के पुरूष अभ्यर्थियों का कट–ऑफ अंक है। वस्तुतः मेधा क्रमांक – 227 पर अवस्थित अभ्यर्थी पिछड़ा वर्ग (05) कोटि से हैं, जिनका चयन अनारक्षित (01) कोटि के विरूद्ध हुआ है और इनका प्राप्तांक – 588 है, जिसे ही अनारक्षित (01) कोटि का कट–ऑफ अंक माना गया है। मेधा क्रमांक – 183 से 227 तक पिछड़ा वर्ग (05) कोटि के 10 पुरूष अभ्यर्थी एवं सामान्य कोटि के 07 पुरूष अभ्यर्थी श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी के अन्तर्गत अनारक्षित (01) कोटि के विरूद्ध चयनित हुए हैं।

15.10.16

संयुक्त सचिव–सह–परीक्षा नियंत्रक,
बिहार लोक सेवा आयोग, पटना